

Message from the Desk of the Deputy Commissioner

Kendriya Vidyalaya Sangathan, Regional Office, Kolkata

It is with a profound sense of responsibility and optimism that I reach out to you through this digital portal. Kendriya Vidyalaya Sangathan has long stood as a beacon of academic excellence and holistic development in the landscape of Indian education. Within our vibrant Region, spanning the culturally rich and geographically diverse terrains of West Bengal and Sikkim, 64 Kendriya Vidyalayas work tirelessly to nurture the leaders of tomorrow.

*Education is not a solitary pursuit; it is a collaborative voyage. As we navigate the evolving paradigms of the 21st century, our success hinges upon our **collective efforts**. I call upon every stakeholder—our dedicated educators, supportive parents, and industrious students—to unite with a shared synergy. Together, we must foster an environment where curiosity is ignited, character is built, and potential is fully realized.*

To guide our journey ahead, we are anchoring our institutional goals on four critical pillars:

- **Robust Implementation of NEP 2020:** *By integrating multilingualism, mathematical thinking, and 21st-century skills into our daily classrooms, our region is fully committed to shifting the pedagogical paradigm from rote memorization to competency-based, experiential learning.*
- **The Vanguard of Innovation – PM SHRI Schools:** *PM SHRI Kendriya Vidyalayas are being nurtured as exemplar schools, showcasing the full spectrum of the NEP 2020. With eco-friendly campuses, cutting-edge smart classrooms, and modern labs, these schools will mentor and uplift the entire educational ecosystem of the region.*
- **Infrastructural and Academic Resurgence:** *We are committed towards progressively upgrading the physical and digital infrastructure across all 64 Vidyalayas. Parallely, robust continuous professional development programs are being executed to empower our faculty with advanced pedagogical tools, ensuring our academic delivery remains unparalleled.*
- **Elevating Academic and Co-Curricular Benchmarks:** *Besides achieving quantitative and qualitative enhancement in our board results, we aspire to see our students scale new heights in sports, arts, science exhibitions, and youth parliaments and other activities, striking a perfect equilibrium between scholastic rigor and co-curricular brilliance.*

"Education is the manifestation of the perfection already in man." *Guided by this timeless philosophy, let us pledge to transform our Vidyalayas into sanctuaries of purposeful learning and innovation.*

Jai Hind.

Menaxi Jain
Deputy Commissioner
KVS Regional Office, Kolkata

उपायुक्त का संदेश

केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता

यह गहरी ज़िम्मेदारी और उम्मीद की भावना है कि मैं इस डिजिटल पोर्टल के माध्यम से आप सभी से जुड़ रही हूँ। भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय संगठन लंबे समय से शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के एक प्रकाश स्तंभ के रूप में स्थापित रहा है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और भौगोलिक रूप से विविध क्षेत्रों में फैले हमारे इस जीवंत संभाग के अंतर्गत, 64 केंद्रीय विद्यालय भविष्य के नायकों को निखारने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

शिक्षा कोई एकाकी साधना नहीं है; यह एक सामूहिक यात्रा है। जैसे-जैसे हम 21वीं सदी के बदलते तौर-तरीकों के साथ आगे बढ़ रहे हैं, हमारी सफलता हमारे सामूहिक प्रयासों पर टिकी हुई है। मैं प्रत्येक हितधारक—हमारे समर्पित शिक्षकों, सहयोगी अभिभावकों और परिश्रमी छात्रों—का आह्वान करती हूँ कि वे एक साझा ऊर्जा के साथ एकजुट हों। हमें मिलकर एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देना चाहिए जहाँ जिज्ञासा को बढ़ावा मिले, चरित्र का निर्माण हो और क्षमताओं को पूरी तरह से साकार किया जा सके।

अपनी आगे की यात्रा को दिशा देने के लिए, हम अपने संस्थागत लक्ष्यों को चार महत्वपूर्ण स्तंभों पर केंद्रित कर रहे हैं:

- **एनईपी (NEP) 2020 का प्रभावी कार्यान्वयन:** अपनी दैनिक कक्षाओं में बहुभाषावाद, गणितीय सोच और 21वीं सदी के कौशल को शामिल करके, हमारा क्षेत्र शिक्षण पद्धति को रटने की प्रणाली से बदलकर योग्यता-आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।
- **नवाचार के अग्रदूत – पीएम श्री (PM SHRI) स्कूल:** पीएम श्री केंद्रीय विद्यालयों को आदर्श विद्यालयों के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो एनईपी 2020 के पूरे परिदृश्य को प्रदर्शित करते हैं। पर्यावरण के अनुकूल परिसरों, अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाओं और आधुनिक प्रयोगशालाओं के साथ, ये स्कूल क्षेत्र के संपूर्ण शैक्षिक परिवेश का मार्गदर्शन करेंगे और इसे ऊपर उठाएंगे।
- **बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक पुनरुत्थान:** हम सभी 64 विद्यालयों में भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे को निरंतर अपग्रेड करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके समानांतर, हमारे संकाय (शिक्षकों) को उन्नत शिक्षण उपकरणों से सशक्त बनाने के लिए मजबूत सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि हमारी शैक्षणिक गुणवत्ता अद्वितीय बनी रहे।
- **शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या के मानकों को ऊंचा उठाना:** अपने बोर्ड परीणामों में मात्रात्मक और गुणात्मक सुधार हासिल करने के साथ-साथ, हम यह देखने की आकांक्षा रखते हैं कि हमारे छात्र खेल, कला, विज्ञान प्रदर्शनियों, युवा संसदों और अन्य गतिविधियों में नई ऊंचाइयों को छुएं, तथा शैक्षणिक कठोरता और सह-पाठ्यचर्या की उत्कृष्टता के बीच एक आदर्श संतुलन स्थापित करें।

"शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है।" इस दर्शन से प्रेरित होकर, आइए हम अपने विद्यालयों को उद्देश्यपूर्ण शिक्षण और नवाचार के पवित्र धामों में बदलने का संकल्प लें।

जय हिंद।

मीनाक्षी जैन

उपायुक्त

के वि सं क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता